मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी- हैदराबाद

एम.ए. (हिन्दी), द्वितीय सत्र परीक्षा- मई 2015

1045

पाठचर्या : 7

विषय :- मद्यकालीन हिन्दी काव्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक: 70

सूचना:- 1. सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 7 x 10 : 70 अंक

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड-क

I. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये।

1. सत गुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार ।
लोचन अनंत उघाडिया, अनंत दिखावणहार । ।

अथवा

नागमती चितुऊर-पथ हेरा । पिऊ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ।।
नागर काहू नारि बस परा । तेई मोर पिऊ मोसौं हरा ।।
सुआ काल होई लेईगा पीऊ । पिउ नहि जात, जात बरु जीऊ ।।
भएउ नरायण बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ।।

2. पावन प्रेम राम-चरण-कमल जनम लाहु परम ।
राम नाम लेत होत, सुलभ सकल धरम ।।
जोग , मख, विवेक, बिरत, बेद-विदित करम ।
करिबे कहु कटु कठोर, सुनत मधुर, नरम ।।

अथवा

कहियो नन्द कठोर भए।
हम दोऊ बीरै डारि पर-घर मानो थाती सौंपि गए ।।
तनक-तनक तै पालि बड़े किए बहुतै सुख दिखराए ।
गोचारण को चालत हमारे पाछै कोसक धाए ।।

3. कनक कोट विचित्र मणि कृत सुंदरायतना घना ।
चौहट्ट हट्ट सुबट्ट बिथी चारु पुर बहु विधि बना ।।
गज बा़जि खच्चर निकर पदचर रथ बरुथन्ही को गनै

अथवा

अपने अंग के जानि कै जोबन-नृपति प्रबीन ।।
स्तन, मन, नैन, नितंब की बडौ इजाफा कीन ।।

(पृ.उ.)

खंड-ख

II. निम्न लिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

4) कबीर के दोहों में गुरु के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रैदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

5) जायसी के पद्मावत में चित्रित विरह वर्णन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूरदास के भ्रमर गीत का मुख्य उद्देश्य क्या हैं ।

6) बिहारी के दोहों की लोकप्रियता के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रहीम के दोहों में भाव पक्ष को स्पष्ट कीजिए ।

7) रसखान की साहित्यिक विशेषताओं को सिद्द कीजिए ।

अथवा

मीराबाई के पदों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

****